आंदोलन चल रहे हैं, लोग सिर मुंडवा रहे हैं, जल भर रहे हैं लेकिन सरकार के कान पर भी जूं नहीं रेंगती। इसलिए इस मामले को आज इस सदन में माननीय सदन में उठाना पड़ रहा है। मैं जो चाहता हूं सरकार इस पर ध्यान दें और इससे सम्बन्धित बातें हैं, जैसे लेखा पद्धति को इन्टरोड्यूस करना, मोनिटरिंग करना, माकूल काम हुआ या नहीं इसकी भी जानकारी होनी चाहिए। इतना ही मैं कहना चाहता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

Khadi and village industries commission

*श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, आपने मुझे सदन में विशेष उल्लेख करने की अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका शुक्रगुजार हूं। मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं।

खादी, और ग्रामोद्योग मंडल के बारे में कुछ बातें सदन और सरकार के ध्यान में मैं लाना चाहता हूं खादी और ग्रामोद्योग मंडल के सभासद और चेयरमैन की नियुक्तियां 983 में हुई थी। वह तीन साल के लिए थी। किसी वजह से जनवरी 1990 में चेयरमैन और दूसरे सभासदों ने त्यागपत्र दे दिये। उसके बाद जनवरी 1990 में नये चेयरमैन की नियुक्ति हुई और अगस्त 1990 में सभासदों की नियुक्ति यां हुई। सभासद और चेयरमैन की नियुक्तियां 8–5–93 तक के लिए थी। लोकसभा के सांसद श्री राम नाईक ने इस संदर्भ में उद्योग मंत्रालय से पत्र व्यवहार किया था। मा. उद्योग मंत्री ने उनको जवाब दिया था कि जल्द ही नया मंडल बनाया जायेगा। साथ साथ मंत्री जी ने यह भी आश्वासन दिया था कि इसके बाद कोई भी खादी और ग्रामोद्योग मंडल की बैठक नहीं होगी। इसके बाद यह कमिटी कोई काम नहीं करेगी, इस तरह का जवाब 13–5–93 को दिया गया था।

13–5–93 के बाद कमिटी ने नये सभासदों की नियुक्ति भी नहीं हुई और नये चेयरमैन की भी नियुक्ति नहीं हुई। अभी वहां जो भी काम हो रहा है वह एक अलोकतांत्रिक तरीके से हो रहा है। वहां अब चेयरमैन ही सब कुछ कर रहे हैं।

इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जीवित रखने के लिए यथाशीघ्र कारंवाई की आवश्यकता है। मई 1993 से रिक्त पड़े पदों पर तुरन्त नियुक्तियां होनी चाहिए। खादी और ग्रामोद्योग मंडल के सभासदों और चेयरमैन की नियुक्तियों के बारे में सरकार जल्द ही कारंवाई करेगी यह उम्मीद करके मैं अपना उल्लेख समाप्त करता हूं।

उपसभापति महोदया, आपने मुझे अनुमति दी और पर्याप्त समय दिया इसके लिए मैं आपका शुक्रगुजार हूं।

उपसभापति : ट्रांसलेशन हुआ या नहीं हुआ।

श्री सतीश प्रधान : नहीं हुआ।

उपसभापति : भरी और सरोज जी की समझ में अच्छो तरह से आया।

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : मेरा बगैर उसके समझ में नहीं आ रहा था।

उपसभापति : आपका बगैर उसके समझ में नहीं आ रहा था?

Now, I think, he has finished the Special Mention and जो डिसकशन है, अपनी मिनिस्ट्री आफ हेल्थ एंड फेमिली वेलफेयर का, यह अहम डिसकशन है। इस पर काफी लोग बोल चुके हैं। मंत्री जी भी हमारे साथ बैठे हैं तो उनका

he is sincerely interested to listen and respond, but as Members should have been here and as we are not adjourning the House sine die and we are going to meet after a month, that is on 13th June, at that time we can have a few more Members who would like to participate and then we can have the reply because it will be a continuation of the same session. If the House so agrees.................

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : हाउस का स्वास्थ्य खराब है, इसलिये स्वस्थ्य होकर तैयार होकर आना चाहिये।

*मूल मराठी भाषा का हिन्दी अनुवाद।

SHRI SATISH AGARWAL (Rajas-than): Madam Deputy Chairperson I fully endorse your observations. I thank, it is high, time that the House was made to sit here for longer hours because the Health Minister has to reply to various important points raised by several Members who have participated in the debate. So, it is a very opportune moment for you to adjourn the House .. • *(Interruptions) ...*

THE DEPUTY-CHAIRMAN: The Members participated and left it for the Minister to reply to their benches! And, I think, this is not proper.

श्री संघ प्रिय गौतम : हाउस का स्वास्थ्य खराब है।

उपसभापति : हाउस का स्वास्थ्य खराब नहीं है। मेंबरों का स्वास्थ्य खराब है। हाउस तो अच्छा भला है।

SHRI SATISH AGARWAL: We had a very healthy discussion. In order to fecilitiate a healthy reply we can have It later.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We can have it later. Now, we would be adjourning the House for one month. So, I wish all of you a very happy holiday for one month and a happy inter-session. I must thank our Secretariat. They have been very, very helpful to us to run the House smoothly. They have helped the Members. And all final remarks I will say when we will adjourn the House sine die but I must thank them now. And this time, we have a new panel of Vice-Chairman, three of them newly nominated, and the three of them have done very good work.

मिस सरोज खापर्डे, अग्रवाल जी, कमला सिन्हा जी, तीन हमारे नये सदस्य पेनल पर आए हैं। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया, हमारी बहुत मदद की, हम उनके बहुत आभारी हैं।

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI R. SHANKARANAND): Agarwalji is an old Parliamentarian.

उपसभापति : मगर हमारे यहां तो नये आए हैं न।

SHRI Ml A. BABY (Kerala); Ma. dam, shall we thank our hon. Chairman for leading a delegation to South Africa? Similarly, shall we thank you for being firm and flexible dur-ing the discussions?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Many

श्री नरेश यादव (बिहार) मैं नये मैम्बर की हैसियत से, हम लोग जो नये मैम्बर यहां आए हैं, उनको इतना प्यार, इतना सहयोग आपकी तरफ से मिला, मैं इसके लिए आपको बड़ा आभारी हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Thank you very much.

अगर कभी गुस्सा भी किया हो तो उसका बुरा मत मानियेगा।

श्री संघ प्रिय गौतम : यह भी प्यार है।

उपसभापति : वह वनस्पति गुस्सा होता है। असली गुस्सा नहीं होता। हाऊस को चलाने के लिए कभी कभी थोड़ा गर्म होना पड़ता है। वह आपके ही हित के लिए करते हैं। सब को बहुत बहुत धन्यवाद। आप लोग एक महीने के लिए छुट्टी करिये। कोई त्यौहार जो इस बीच में आएं उनके लिए, I wish you all the best.

श्री संघ प्रिय गौतम : बुद्ध जयन्ती आ रही है।

happy returns of those days. We will meet again the 13th of June at 11 o'clock. Thank you all.

The House stands adjourned.

The House then adjourned at forty-seven past six of the clock till eleven of the clock on Monday, the 13th June, 1994.